नईदुनिया

क्लिक : 1 **बारिश से शहर तर-बतर...**

क्लिक : 2 **लो खुल गए भदभदा के गेट...**

क्लिक : 3 **सुहाने नजारों को देखने उमड़ा शहर...**

राष्ट्रपति ने मप्र के छह शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से किया सम्मानित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 समारोह में मध्यप्रदेश के छह उत्कृष्ट शिक्षकों और शिक्षाविदों को सम्मानित किया। शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदेश के इन शिक्षकों का चयन किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में डॉ. अर्चना शुक्ला, श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सुश्री संगीता यादव, प्रो. सौरव दत्ता, श्रीमती रीना गुप्ता और श्रीमती ज्योतिबाला राठौर शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। सम्मानित शिक्षकों ने अपने नवाचारों और समर्पण से शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक हैं। डॉ. अर्चना शुक्ला ने विज्ञान शिक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कई अभिनव परियोजनाएं संचालित कीं। शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सीमित संसाधनों वाले विद्यालय में जनभागीदारी से बदलाव लाकर विद्यार्थियों की संख्या और उपस्थिति बढ़ाई। संगीता यादव ने गणित शिक्षण को रोचक बनाने के लिए नए प्रयोग किए। प्रो. सौरव दत्ता ने शोध एवं शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित की। रीना गुप्ता ने दिव्यांग प्रशिक्षुओं को कंप्यूटर और डिजिटल कौशल से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया, जबकि ज्योतिबाला राठौर ने औद्योगिक प्रशिक्षण और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

प्रदेश के हर भवनविहीन विद्यालय को मिलेगा पक्का भवन : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के जिन विद्यालयों के पास पक्के भवन नहीं हैं, उन्हें स्थायी भवन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने युवा शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों से नई सोच, तकनीकी समझ और नवाचार के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

इंदौर में आयोजित विशेष शिक्षा संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर के युवा जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला परियोजना समन्वयकों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों से सीधे संवाद किया। उन्होंने प्रत्येक जिले में परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों और विद्यार्थियों की जरूरतों को समझकर परिणामोन्मुखी नेतृत्व करना चाहिए। सफल नवाचारों को दूसरे जिलों में भी लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षण और आधुनिक तकनीक शिक्षा के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने शिक्षकों से प्रत्येक विद्यार्थी की रुचि और क्षमता पहचानकर मार्गदर्शन करने की अपील की। कमजोर और विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में बस, साइकिल, गणवेश और मध्यान्ह भोजन सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। समाज और अभिभावकों की जनभागीदारी से विद्यालयों को और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों से आत्मीय संबंध बनाएं, क्योंकि एक शिक्षक कई पीढ़ियों के भविष्य को दिशा देने की क्षमता रखता है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को दी बधाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित मध्यप्रदेश के शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस पर मिला यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्य, प्रतिभा और समर्पण को मिला राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा का परिचायक है। शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. यादव ने सभी सम्मानित शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगी।

मानसून में सतर्क रहें, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में अतिवृष्टि और बाढ़ की परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन को मानसून सक्रिय रहने तक पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए और संकट में फंसे प्रत्येक नागरिक तक तत्काल सहायता पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री शनिवार को राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के राज्य कमांड सेंटर पहुंचे और विभिन्न जिलों में वर्षाजनित परिस्थितियों की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों और अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी ली तथा कई जिलों में चल रहे बचाव कार्यों का सीधा निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच गया है, वहां प्रभावित लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया जाए। उन्हें भोजन, कपड़े और आवश्यक सूखी सामग्री उपलब्ध कराने के साथ नियमानुसार राहत राशि भी दी जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, होमगार्ड और प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी से कार्य करें। संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी और विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते एक माह में आपदा प्रबंधन दलों ने प्रदेश में 2,783 से अधिक लोगों को सुरक्षित बचाया है। अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना को देखते हुए प्रशासन को हर स्थिति के लिए तैयार रखा गया है। उन्होंने कहा कि नागरिकों, उनके पशुधन और संपत्ति की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मध्यप्रदेश में निवेश के लिए दुबई में वैश्विक उद्योग जगत से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 6 से 9 सितंबर तक दुबई प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख निवेशकों, उद्योग समूहों और वैश्विक कारोबारी प्रतिनिधियों के साथ मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। उनका दौरा इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-दुबई 2026 और एआईएम कांग्रेस 2026 में सहभागिता के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री दुबई में मध्यप्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक और पर्यटन क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सामने प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रवासी भारतीयों से संवाद, एक जिला-एक उत्पाद प्रदर्शनी का उद्घाटन और विभिन्न देशों के नीति-निर्माताओं से मुलाकात भी प्रस्तावित है।एआईएम कांग्रेस में मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश पवेलियन का उद्घाटन करेंगे और वैश्विक निवेशकों को प्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों तथा उपलब्ध अवसरों की जानकारी देंगे। वे विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों और निवेश सत्रों में भी भाग लेंगे। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री प्रमुख उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत बैठकें करेंगे।

शारजाह और दुबई के कारोबारी संगठनों के साथ भी मध्यप्रदेश में संभावित निवेश और व्यावसायिक साझेदारी पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य वैश्विक निवेश समुदाय के साथ संवाद को ठोस निवेश प्रस्तावों और दीर्घकालिक साझेदारी में बदलना है। मुख्यमंत्री 9 सितंबर को दुबई से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

किसानों की सेवा और समृद्धि का पर्व है बलराम कृषि महोत्सव : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव अन्नदाता किसानों की सेवा और उनके प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है। उन्होंने भिंड जिले में आयोजित महोत्सव को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए किसानों से कृषि के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खेत से लेकर कारखाने तक किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने किसानों से अपनी उपजाऊ जमीन को सुरक्षित रखने और नई पीढ़ी को खेती से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि भिंड कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

डॉ. यादव ने बताया कि भिंड और मुरैना क्षेत्र प्रदेश के सरसों उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। जिले में तीन हजार से अधिक किसान प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं, जबकि दुग्ध संकलन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से मत्स्य पालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं से जिले की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना के साथ अन्य योजनाओं से किसानों को सिंचाई सुविधाएं मिलेंगी।

महोत्सव में प्राकृतिक और जैविक खेती, उद्यानिकी, देशी बीज संरक्षण तथा आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों का भी अभिनंदन हुआ। समारोह स्थल पर किसानों के लिए पंजीयन और शासकीय योजनाओं की जानकारी देने वाले विशेष स्टाल लगाए गए तथा विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रख्यात व्यंग्यकार स्व. शरद जोशी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के गौरव, प्रख्यात व्यंग्यकार, पद्मश्री से सम्मानित स्व. शरद जोशी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि 'परिक्रमा', 'जीप पर सवार इल्लियां', 'यथा संभव' जैसी कालजयी रचनाओं से उन्होंने समाज की विसंगतियों पर सभी का ध्यान आकृष्ट कर सोचने पर मजबूर किया। उनकी सहज, चुटीली और धारदार लेखनी साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

इंदौर को मेट्रो की नई सौगात, विकास को रफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः इंदौर में मेट्रो रेल के विस्तारित चरण का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक तैयार मेट्रो कॉरिडोर के शुरू होने से शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रो का विस्तार केवल यातायात सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंदौर और पूरे मालवा क्षेत्र के विकास का नया अध्याय है। आने वाले समय में मेट्रो को उज्जैन, पीथमपुर और आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने की योजना है, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मेट्रो परियोजना शहरों के विकास के साथ उद्योग और व्यापार को गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि देश में मेट्रो नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है और यह विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मेट्रो परियोजना का उद्देश्य इंदौर के विस्तार को गति देना और शहर को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। भविष्य में इसे पीथमपुर, महू, देवास, उज्जैन और मक्सी तक विस्तारित करने की योजना है। 17 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में 16 स्टेशन शामिल हैं। मेट्रो के संचालन से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समयबद्ध परिवहन सुविधा मिलेगी। सरकार का लक्ष्य मेट्रो के माध्यम से इंदौर को आधुनिक और विकसित शहर के रूप में आगे बढ़ाना है।

आधुनिक यात्री परिवहन व्यवस्था की दिशा तय करेगी विजन समिट

मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुगम और तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से 11 और 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में यात्री परिवहन विजन समिट 2026 आयोजित की जाएगी। दो दिवसीय समिट मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर केंद्रित होगी।

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। परिवहन क्षेत्र से जुड़े निजी बस संचालक, नीति निर्माता, बस निर्माता, तकनीकी कंपनियां, निवेशक और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के प्रतिनिधि प्रदेश की भविष्य की परिवहन व्यवस्था पर मंथन करेंगे।

समिट का प्रमुख उद्देश्य अधिक जुड़ी हुई, आर्थिक रूप से सक्षम, डिजिटल और यात्री केंद्रित परिवहन व्यवस्था विकसित करना है। इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से बसों के संचालन और आधुनिक परिवहन तंत्र के निर्माण की संभावनाओं पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत विद्युत और हाइड्रोजन आधारित परिवहन, डिजिटल टिकट व्यवस्था, बेड़ा प्रबंधन, चार्जिंग सुविधाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण, स्मार्ट बस स्टॉप और यात्री सूचना प्रणाली जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने की योजना है।

समिट में मध्यप्रदेश के लिए भविष्य की परिवहन रूपरेखा तैयार करने पर भी विचार होगा। इसमें परिवहन क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने, स्वच्छ परिवहन को प्रोत्साहन देने, डिजिटल व्यवस्था विकसित करने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार तथा उद्योग जगत के बीच साझेदारी मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उच्च शिक्षा *स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के संयुक्त दीक्षांत समारोह को पूर्व केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित...*

अपनी पहचान और ब्रांड खुद बनाएँः अनुराग ठाकुर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने युवाओं से संघर्ष को जीवन का हिस्सा मानते हुए चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा किसी दूसरे की पहचान पर निर्भर रहने के बजाय अपनी मेहनत, प्रतिभा और ईमानदारी से स्वयं की अलग पहचान और अपना ब्रांड बनाएं। अनुराग ठाकुर शनिवार को इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ और आइडिलिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के संयुक्त दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन की नई चुनौतियों की शुरुआत है। कक्षाओं में अर्जित ज्ञान का उपयोग अब विद्यार्थियों को समाज, न्याय व्यवस्था और प्रबंधन जगत में करना होगा। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और इसरो के वैज्ञानिकों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि बड़ी उपलब्धियां कठिन परिस्थितियों से गुजरकर ही हासिल होती हैं। युवाओं को अपने आरामदायक दायरे से बाहर निकलकर चुनौतियों को अवसर में बदलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आने वाले 21 वर्ष देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी। भारत के बढ़ते नवउद्यम तंत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में नवउद्यमों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक पेड़ मां के नाम अभियान में जनभागीदारी की सराहना करते हुए उन्होंने इंदौर के औद्योगिक और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हो रहे विकास को प्रदेश की प्रगति का संकेत बताया। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए अनुराग ठाकुर ने सवाल किया कि वे राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सम्मान के लिए तीन मिनट दस सेकंड का समय क्यों नहीं दे सकते। उन्होंने कांग्रेस और गांधी परिवार पर राष्ट्रीय प्रतीकों तथा संविधान के प्रति सम्मान नहीं रखने का आरोप भी लगाया।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन -1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। *
भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, www.naiduniaonline.com